Press Release

TATA POWER-DDL

मंगलवार, 25 जून, 2024 **तत्काल प्रकाशनार्थ**

नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने बिजली चोरी मामले में अभियुक्त को सजा दिलायी

माननीय स्पेशल कोर्ट के श्री जितेंद्र सिंह, एडिशनल सेशंस जज, रोहिणी ने श्री दिनेश सिंह, निवासी - मकान नंबर I-330, मंगोलपुरी, दिल्ली को घरेलू उपयोग के लिए बिजली चोरी के आरोप में सजा सुनायी है। श्री सिंह को विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुच्छेद 135 के अंतर्गत, प्रत्यक्ष बिजली चोरी का दोषी करार दिया है।

इंस्पेक्शन के आधार पर पुलिस ने श्री सिंह के खिलाफ प्रत्यक्ष बिजली चोरी का मामला दर्ज किया था।

पुलिस द्वारा इस मामले की विस्तृत जांच करने पर यह पाया गया कि श्री दिनेश सिंह लो टेंशन एरियल बंडल्ड केबल (LT ABC) से गैर-कानूनी रूप से बिजली ले रहे थे, जो उनके परिसर की इंटरनल वायरिंग से जुड़ी थी। जांच के दौरान पाया गया कि इस साइट पर कोई मीटर या कानूनी रूप से स्वीकृत बिजली कनेक्शन नहीं था, जबकि घरेलू उपयोग के लिए 7.718 KW लोड कनेक्ट था।

साइट पर उपलब्ध तथ्यों तथा साक्ष्यों पर विचार करने के बाद, अभियुक्त श्री दिनेश सिंह को विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुच्छेद 135 के अंतर्गत, प्रत्यक्ष बिजली चोरी का दोषी पाया गया। फिलहाल उनकी सजा की मात्रा तथा देनदारी निर्धारित नहीं की गई है।

अप्रैल 2024 के बाद से, सेशन जज ने विलेज प्रह्लादपुर बंगर, मंगोल पुरी, सुल्तानपुरी और जेजे कॉलोनी शकूरपुर जैसे इलाकों में बिजली चोरी के मामलों में चार और लोगों को भी दोषी ठहराया है।

सुश्री किरण गुप्ता, चीफ - कस्टमर सर्विस, कमर्शियल, गवर्नमेंट अफेयर्स, ईएसी एवं कंज्यूमर लिटिगेशन, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा, *"टाटा पावर-डीडीएल में, हम बिजली चोरी रोकने तथा अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए निष्पक्ष एवं उपयुक्त इलैक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम सुनिश्चित करते हैं। हम उपरोक्त मामले में माननीय अदालत के फैसले के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं और सभी उपभोक्ताओं से अपील करते हैं कि वे बेरोकटोक पावर सप्लाई के लिए सभी नियमों एवं विनियमनों का पालन करें।"*

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का ज्वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 5.9% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी आई है। टाटा पावर-डीडीएल के बारे में और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

Slough PR: